Regarding inclusion of tribal regional languages in Eighth Schedule to the Constitution

श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी **(**गिरिडीह**) :** माननीय अध्यक्ष महोदय, झारखण्ड राज्य में पाँच जनजातियों की क्षेत्रीय भाषाएं- संथाली, कुडुक, मुंडारी, हो, खड़िया, कुड़माली, खोरठा, पचपरगनिया और नागपुरी बोली जाती हैं । इनमें से सिर्फ संथाली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया है । जबकि आठ अन्य जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं को शामिल नहीं किया गया है । किन कारणों से इन भाषाओं को छोड़ा गया है? भारतीय भाषा संस्थान द्वारा इन पर क्या शोध हुआ है? राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत इन भाषाओं को कैसे बढ़ावा देने की योजना है?

मैं आपके माध्यम से, सरकार से यह जानना चाहता हूँ क्योंकि कुड़माली भाषा झारखण्ड, बंगाल, असम और ओडिशा राज्यों में लगभग 3 करोड़ कुड़मी और अन्य समुदायों द्वारा बोली जाती है। आगामी जनगणना भाषा कॉलम में कुड़माली भाषा के स्थान पर कुड़माली थार को रखा गया जबकि कुड़माली भाषा को अन्य रूप में रखा गया है । कुड़माली भाषा झारखण्ड राज्य की द्वितीय राजभाषा के रूप में भी दर्ज है । कुड़माली भाषा का पठन-पाठन झारखण्ड और पश्चिम बंगाल राज्यों के दो विश्वविद्यालयों द्वारा भी करायी जाती है ।